दैनिक भास्कर
बुधवार, 4 फरवरी 2015

हिंदी विवि के डा.एच.ए. हुनगुंद मलेशिया रवाना

ब्युरो| वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के भाषा विद्यापीठ के भाषा प्रौद्योगिक विभाग में सहायक प्रोफेसर डा. एच. ए. हुनगुंद मलेशिया के केबांगसन विवि में भाषा शिक्षण पर 4 एंव 5 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सा लेने एवं शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए रवाना हो गए। वे भारत में द्वितीय भाषा में शिक्षण एवं अध्यापन की समस्याएं और उसका समाधान विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। उन्हें विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एंव गैर-शैक्षणिक कर्मियों ने शुभकामनाएं दी है।

लोकशाही वार्ता
बुधवार, ४ फेब्रुवारी २०१५

डॉ. हुनगुंद मलेशीया रवाना

प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील भाषा प्रौद्योगिकी विभागातील सहायक प्रोफेसर डॉ. एच. ए. हुनगुंद मलेशीयातील केबांगसन विद्यापीठात भाषा शिक्षणावर ४ अणि ५ फेब्रुवारी रोजी आयोजित दोन दिवसीय आंतरराष्ट्रीय चर्चासत्रात सहभागी होण्यासाठी रवाना झाले आहेत. ते 'भारतात द्वितीय भाषेत शिक्षण आणि अध्यापनाची समस्या आणि त्यावर उपाय' या विषयावर शोधपत्र सादर करतील. त्यांना विद्यापीठातील समस्य शैक्षणिक आणि गैर-शैक्षणिक कर्मचाऱ्यांनी शुभेच्छा दिल्या आहेत.

बुधवार, 4 फरवरी, 2015

दैनिक भास्कर

हिंदी विवि में शहादत दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

गांधी की प्रासंगिकता वैश्वीकरण के साथ और बढ़ी

पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा विभाग के पूर्व सदस्य डॉ. पी. के. चटर्जी का कथन

जिला प्रतिनिधि | वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग द्वारा गांधी की शहादत दिवस पर श्रध्दांजलि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा विभाग के पूर्व सदस्य डॉ. पी. के. चटर्जी ने कहा कि गांधी एक प्रतिक थे। चाहे वह हिम्मत की बात हो, राजनीति, चरित्र, पवित्रता, नेतृत्व या फिर नत्राचार की। गांधी किसी सिध्दांत के वशीभूत नहीं थे, वह समयाकुल निर्णय लेकर परिस्थितियों को अपने अनुकूल कर लेते थे।

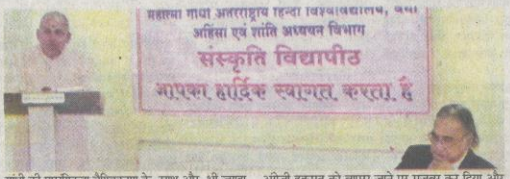

गांधी की प्रासंगिकता वैश्विकरण के साथ और भी ज्यादा बढ़ गयी है। महान कवि, लेखक, पत्रकार व राष्ट्रभक्त रामकृष्ण बेनीपूरी ने कहा था। झोपडी या महल, अमीर-गरीब, गली से राजपथ तक असहयोग आंदोलन का प्रभाव गांधी के कारण ही था। गांधी ने बिना किसी हरवे-हथियार के अंग्रेजी हुकुमत को वापस जाने पर मजबूर कर दिया और भारत को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कर दिया। गांधी जी चाहते थे कि समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास हो और स्त्री-पुरूष के साथ-साथ सभी वर्ग समानता के साथ जीवनयापन कर सके। अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने कहा कि गांधी इस सहस्त्र के सर्वश्रेष्ठ मानव थे, वे निजी विचारों का प्रचार करने की अपेक्षा आचरण पर ध्यान देते थे। गांधी सशरीर भले ही हमारे बीच विद्यमान न हो लेकिन उनके कथन और कार्य हमेशा हमें प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम में 2 मिनट का मौन रखकर गांधी जी को विवि के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने श्रध्दांजलि दी। कार्यक्रम में संदीप सपकाले, पंकज सिंह, पद्माकर बाविस्कर, ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने व धन्यवाद ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर अनिर्वाण घोष ने किया। कार्यक्रम में डा. डी. एन. प्रसाद, डा. राकेश मिश्र, डा. चित्रा माली, शिव गोपाल, अनुपम्मा, नेहा नेमा, मनोज सहित विवि के शिक्षक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

बुधवार, 4 फरवरी, 2015

हिंदी विवि में जिले के सरपंचों के साथ चर्चा

ब्यूरो|वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में नवाचार क्लब एवं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के तत्वावधान में वर्धा एवं आस-पास के ग्रामपंचायतों के सरपंचों की बैठक का आयोजन सोमवार को विवि के नागार्जुन सराय अतिथि गृह में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम में महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केन्द्र के निदेशक वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. मनोज कुमार, अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डा. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, ग्रामोपयोगी विज्ञान केन्द्र, दत्तपुर के कार्यकारी संचालक डा. सोहम पंड्या, स्कूल ऑफ स्कालर्स की प्रा. समिता कार, भाषा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर रवि कुमार, जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे, पवनार के सरपंच राजेश्वर गांडोले, आंजी के जगदिश संचरिया, वायगांव के सरपंच गणेश वांदाडे, प्रमोद झाडे, करंजी काजी के सरपंच पद्माकर शंभरकर, इंझापुर के जलापूर्ति समिति अध्यक्ष दीपक तपासे, बोरगांव मेघे के पंकज यादव, पेठ के उपसरपंच जगदीश मस्के, बोरगांव सावली के उपसरपंच महेश मोरे, देहगांव स्टेशन की सरपंच अर्चना कंगाले, उपसरपंच ए.वी.कंगाले, सालोड की सरपंच गीता झाडे, चिकनी जामनी के मारोती कांबले, सिंदी मेघे की सरपंच सुषमा येसनकर, ग्राम विकास अधिकारी सुधाकर आसुटकर, पवनुर के सरपंच रमेश कारनकर, अर्चना वानखेडे, अंजली चौधरी, जयश्री चौधरी, रामनगर की संदा वानखेडे, संचार एवं मीड़िया अध्ययन केन्द्र की शोधार्थी अनुपमा कुमारी आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि विवि की अनेक योजनाएं हैं जो गांवों के विकास के लिए कारगर दिशा प्रदान कर सकती हैं। हम चाहते हैं कि वर्धा के आसपास के समाज हमसे जुड़ा रहे और हम भी उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध हो सके। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में व्यापक तौर पर हम लोगों को जोड़ने का अभियान जारी रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान सरपंचों तथा समुदाय के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं उपस्थितों के सामने रखी। ग्रामपयोगी विज्ञान केंद्र के डा. सोहम पंड्या ने गावों में कम लागत पर शौचालय, रस्ते आदि बनाने के लिए केन्द्र की विभिन्न योजनाओं का जिक्र किया। प्रो. मनोज कुमार ने समाज कार्य की ओर से गांवों को गोद लेकर वहां के विकास के लिए अपनी योजनाएं बताई। कार्यक्रम का संचालन रवि कुमार ने किया।

दैनिक भास्कर

गुरुवार, 5 फरवरी 2015

बाल यौन शोषण की घटनाओं में हुई बढ़ोतरी : बेहरे

ब्यूरो|वर्धा.

दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान डिम्ड विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज का मानसिक दोष चिकित्सा विभाग एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागृह में 29 जनवरी को स्वास्थ्य शिक्षा के अंतर्गत बाल लैंगिक शोषण पर कार्यशाला आयोजित किया था। एक दिवसीय आयोजन में मानसिक दोष चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष तथा अनुसंधान एवं विकास के निर्देशक डा. प्रकाश बेहरे, इंडियन साइकेट्रिक सोसाइटी के डा. टी. वी. अशोकन, चेन्नई, डा. विद्याधर वाटवे, पुणे, डा. ही. प्रसाद राव, हैदराबाद, डा. जे.एस.एस. राव, संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्रिक, मैसूर, डा.युसूफ माचिसवाला, मुंबई डा.जे. दास, आसाम डा. के. के. मिश्रा, सेवाग्राम डा. सुशील गावंडे, एनकेपी सालवे मेडिकल कॉलेज, नागपुर, वर्धा पुलिस विभाग की प्रतिभा गजभिये आदि ने मार्गदर्शन किया।

कार्यशाला के मुख्य आयोजक डा. प्रकाश बेहरे ने बताया कि निरंतर स्वास्थ्य शिक्षा के अंतर्गत वर्धा में पहली बार इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने आगे कहा कि भारत के विभिन्न स्थानों के निरीक्षण से पता चलता है कि बाल लैंगिक शोषण की घटनाएं हो रही है और घटनाओं में से करीब 70 प्रतिशत

परिवार के सदस्यों तथा रिश्तेदारों के द्वारा होती है। कहा जाए तो भारत में हर पाचवां बच्चा लैंगिक शोषण का शिकार होता है और विगत वर्ष में इस प्रकार के अपराधों में काफी बढ़ोतरी हुई हैं। कार्यशाला में बच्चों को उनके लैंगिक शिक्षा के बारे में अभिभावक और स्कूल के शिक्षकों को द्वारा किस प्रकार के वातावरण की आवश्यकता है, इस बात पर चर्चा की गई। अन्य वक्ताओं ने कहा कि यह विषय अत्यंत संवेदनशील है और बाल लैंगिक शोषण के लिए बने कानूनों पर अमल में लाने की दिशा में प्रभावी रूप से जागरूकता की आवश्यकता है। इस आयोजन में वर्धा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य तथा छात्राएं उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने के लिए डा. प्रमोद जोशी, विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, सहायक कुलसचिव ज्योतिष पाएंग, हिमांशु नारायण, सौरभ, प्रगति, हेमा तथा जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थी आदि ने प्रयास किया है।

दैनिक भास्कर

रविवार, 8 फरवरी 2015,

विलुप्त प्राय जीव जन्तु एवं वृक्षों का संरक्षण जरूरी

'जैव विविधता एवं पर्यावरणीय परिवेश की महत्ता' विषय पर परिचर्चा

ब्यूरो. वर्धा. गांधी हिल्स में विवि के पर्यावरण क्लब द्वारा आयोजित 'जैव विविधता एवं पर्यावरणीय परिवेश की महत्ता' विषय पर परिचर्चा में नागपुर विवि के भूतपूर्व प्रोफेसर एंव डॉ. रमेश आचार्य द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एंव चेतना संबंधी निजी जानकारी तथा अनुभवों के आधार पर व्याख्यान दिए गए।वर्धा जिला की जैवविविधता एंव पर्यावरण संरक्षण के कारण यहां पर पाए जानेवाले विलुप्त प्राय जीव जन्तु एंव वृक्षों के संरक्षण के प्रति अवलोकन कराए तथा ऐसी परिस्थितियों से भी परिचय करवाया गया जो इनके लिए अनुकूल हो। शिक्षा मंडल के अधिष्ठाता प्रो.अतुल शर्मा ने चर्चा में जल संरक्षण के प्रति एक नवीन विधा की खोज से संबंधित प्रस्तुत व्याख्यान निश्चित ही वर्तमान समय में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच से प्रेरीत रहा। स्वंयसेवी वाईल्ड लाईफ वार्डेन कौशल मिश्र ने वर्धा जिले के आसपास के वन तथा वनसंरक्षण संबधित महत्वपूर्ण जानकारी पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वर्धा जिला वनविभाग की उपवन संरक्षक सुकेश गणात्रा ने संबंधित विषय पर मुख्य वक्तव्य दिये। इसके पश्चात नागपुर विवि के भूतपूर्व अधिष्ठाता प्रो. अतुल शर्मा ने भी निजी व्यक्तव्य दिए। पर्यावरण क्लब के समन्वयक अनिर्बाण घोष बैठक में विवि परिसर में पर्यावरण संरक्षण संबंधित जानकारी दिए गए । अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्ष प्रार्थना से सन्देश दिया। बैठक में जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, सहायक संपादक डा. अमित विश्वाम, सुश्री अनुपमा पांडेय, अनुपमा कुमारी, प्रकाश उपरेती, बोस, हुसन तब्स्सुम, रविशंकर लाल सहित उचित संख्या में विद्यार्थी एंव शोधार्थी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

सोमवार, 9 फरवरी, 2015

महात्मा गांधी के विचारों से होगी देश की प्रगति : सुरेश गणराज

ब्युरो | वर्धा

महात्मा गांधी के विचारों से देश की प्रगति होगी, उक्त विचार ला. सुरेश गणराज ने व्यक्त किए। लॉयन्स क्लब गांधी सिटी व गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि विश्वविद्यालय की ओर से मानव शृंखला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास से सेवाग्राम आश्रम बापू कुटी तक पदयात्रा निकाली गयी।

सेवाग्राम स्थित बापू कुटी आश्रम में पार्श्वगायिका अनुराधा पौडवाल ने महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित श्रद्धांजलि गीत गाया। इस समय लॉयन्स क्लब गांधी सिटी व स्थानीय महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विवि के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। लॉयन्स क्लब गांधी सिटी के पूर्व अध्यक्ष लॉ. सुरेश गणराज ने पार्श्वगायिका अनुराधा पौडवाल से महात्मा गांधी के विचारों पर संवाद साधा। बापू कुटी के विषय पर अनुराधा पौडवाल ने कहा इस पावन भूमि पर आने से मेरा जीवन सार्थक हो गया और उनके जीवन पर आधारित एल्बम निकालने की बात कही। लॉयन्स क्लब गांधी सिटी डाइरेक्टर अनिल नरेडी, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के प्रा.डा. अन्वर सिद्धिकी, मिरगे, अख्तर कुरेशी, तिखे और विवि के छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर
ागपुर, रविवार, 1 फरवरी 2015,

अर्चना शर्मा को पीएचडी

ब्यूरो.वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भाषा विद्यापीठ की शोधार्थी अर्चना श्यामसुंदर शर्मा को समकालीन कथा समय और स्त्री भाषा

प्रतिनिधि उपन्यासों के विशेष संदर्भ विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने अपना शोध भाषा विद्यापीठ के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. उमाशंकर उपाध्याय के मार्गदर्शन में में पूर्ण किया।

अर्चना शर्मा ने इससे पूर्व कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स प्राकृतिक भाषा संसाधन पर आधारित प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली के प्रारूप विषय पर रजत पदक के साथ एमफिल की उपाधि प्राप्त की थी।

देशोन्नती
बुधवार, दि.४ फेब्रुवारी २०१५

लैंगिक शोषणावर निरंतर आरोग्य व शिक्षण कार्यशाळा

प्रतिनिधी/३ फेब्रुवारी

वर्धा : दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान डिम्ड विद्यापीठातील जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेजचा मनदो चिकित्सा विभाग आणि महात्मी गांधी आंतरराष्ट्री य हिंदी विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने हबीब तनवीर सभागृहात २९ जानेवारी रोजी निरंतर आरोग्यि .शिक्षणा अंतर्गत बाल लैंगिक शोषणावर कार्यशाळा आयोजित करण्यात आली होती.

कार्यशाळेत जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेजचे मनोदोष चिकित्साल विभागाचे अध्यक्ष व अनुसंधान तथा विकास विभागाचे निदेशक डॉ. प्रकाश बी. बेहरे, इंडियन साइकेट्रिक सोसायटीचे डॉ. टी.वी. अशोकन, चेन्न ई, डॉ. विद्याधर वाटवे, पुणे, डॉ. ही. प्रसाद राव, हैदराबाद, डॉ. जे. एस. एस. राव, संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री, मैसूर, डॉ. युसूफ माचिसवाला, मुंबई, डॉ. जे. दास, आसाम, डॉ. के. के. मिश्रा, सेवाग्राम, डॉ. सुशील गावंडे, एनकेपी साळवे मेडिकल कॉलेज, नागपूर, पोलिस विभागातील प्रतिभा गजभिये यांनी मार्गदर्शन केले. कार्यशाळेचे मुख्य आयोजक डॉ. प्रकाश बेहरे म्हणाले की निरंतर आरोग्य शिक्षणा अंतर्गत वर्धेत अशा प्रकारची पहिली कार्यशाळा घेण्यात येत आहे. ते म्हणाले की, भारतात बाल लैंगिक शोषणाच्या घटनांमध्ये वाढ होत आहे. अंदाजे ७० टक्के घटना कुटुंबातील सदस्य आणि नातेवाईकांकडून होत असतात. भारतात प्रत्येक पाचवे मुल लैंगिक शोषणाचे बळी ठरते असेही ते म्णाले. बालकांचे लैंगिक शोषण थांबविण्याससाठी पालक आणि शाळांमधील शिक्षकांमध्ये पोषक वातावरणाची गरज असून त्याविषयी मोठ्या प्रमाणात जनजागृतीची आवश्यकता आहे असे मत त्यांनी मांडले. बाल लैंगिक शोषणविषयक कायद्याची काटेकोर अमलबजावणी केली तर अशा घटनांना आळा बसेल असाही सूर वत्त्यांनी व्यक्त केला. कार्यशाळेत जिल्हयातील विविध महाविद्यालयांमधील प्राचार्य आणि विद्यार्थी सहभागी झाले होते. यशस्वीातेसाठी डॉ. प्रमोद जोशी, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, सहायक कुलसचिव ज्योवतिष पायेंग, हिमांशु नारायण, प्रगती, हेमा, सौरम तथा जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेजच्या. विद्यार्थ्यांनी परीश्रम घेतले.

लोकमत
रविवार, दि.१ फेब्रुवारी २०१५

राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या वतीने मानव श्रृंखला रॅली

महात्मा गांधी पुण्यतिथीनिमित्त स्वच्छता, श्रमदान अभियान

प्रतिनिधी / ३१ जानेवारी

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या वतीने महात्मा गांधी यांच्या पुण्यतिथीनिमित्त बापूकुटी सेवाग्राम आश्रम येथे मानव श्रृंखला रॅली काढण्यात आली. रॅलीत विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता अनिलकुमार राय, राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे, पद्माकर बावीसकर, स्वयंसेवक कुलदीपकुमार पांडे, मेहराज अली, अहमद खान, पन्नालाल धुर्वे, अभिजीत, शावेज खान, रहिसुद्दीन, डुडबे, आशीष, रोजी, आशू, अश्वीन श्रीवास, गो.से. वाणिज्य महाविद्यालयाच्या रासेयो स्वयंसेवक आशना सिद्दीकी यांनी सहभाग घेतला. यावेळी सुप्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौडवाल यांनी 'मानव श्रृंखला रॅली' चे कौतुक केले. विद्यापीठाच्या रासेयो स्वयंसेवकांनी वर्धा जिल्हा स्वच्छता अभियानात सहभागी होवून स्वच्छतेचा संकल्प घेतला.

महात्मा गांधी पुण्यतिथीच्या निमित्ताने राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विद्यार्थ्यांनी दुपारच्या सुमारास निर्माणाधिन केंद्रीय विद्यालयाच्या परिसरात स्वच्छता आणि श्रमदान अभियान चालविले. या अभियानात अहमद खान, कुलदीप पांडे, रहिसुद्दीन खान, गौरव वर्मा, मेहराज अली, देविंदर सिंह, जुगलकिशोर चौधरी, पन्नालाल धुर्वे, सुरेश डुडवे, राजेंद्र यादव, पुष्पेमद्रकुमार बांबोडे, शावेज़ खान, दिलीप कुमार, रोहित शर्मा, ब्रजेश कुमार, अश्विन श्रीवास यांनी सहभाग घेतला. कार्यकारी कुलसचिव व वित्ताधिकारी संजय गवई, रा.से.यो. संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी आणि कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी श्रमाचे महत्त्व आणि गांधी दृष्टी यावर विचार मांडले.

The Hitavada
NAGPUR ■ SATURDAY ■ Februar 4, 2015

DMIMS, MGIHU holds Continuous Medical Education on 'Child Sexual Abus

■ In this CME the role of parents and school teachers was also highlighted and that they needed to know more and how to sensitize the school going children.

■ **District Correspondent**
WARDHA, Feb 6

A CONTINUING Medical Education on Child Sexual Abuse was organised for the first time in Wardha by the joint ageis of Department of Psychiatry, Jawaharlal Nehru Medical College run by Datta Meghe Institute of Medical Sciences (Deemed University) (DMIMS) and Mahatma Gandhi International University (MGIHU) at Habib Tanvir hall of the MGIHU, the other day. Dr Prakash Behere, Director Research and Development and HOD of Psychiatry at MGIHU initiated the programme.

The Guest faculties for the CME were Dr T V Asokan from Chennai former President of Indian Psychiatric Society (IPS), President of IPS DrVidyadhar Watve from Pune, Dr G Prasad Rao, Vice-President of IPS from Hyderabad, Dr J S S Rao, Chief Editor of Indian Journal of Psychiatry from Mysore, Dr Yusuf Matcheswalla, Prof of Psychiatry, Grant Medical College and J J Camp of Hospital, Mumbai. Dr J J Das, Assam, Dr K K Mishra, Sewagram, Dr Sushil Gawande, NKP Salve Medical College, Nagpur and Pratibha Gajbhiye, Police Department, Wardha graced the CME.

A guest addressing the CME at MGIHU, Wardha.

The dignitaries discussed various factors related with the the topic and expressed that initially it was thought that there is no child sexual abuse in India but of late, there are many child sexual abuse cases which are being reported from different parts of India. The reports of Women and Child Welfare informed that 21.9% faced severe form of sexual abuse in children.

The dignitaries mentioned that it is quite ironic that more than 70% of abuses are attributed by the family members and known people. The perpetrators and victim may be of same sex or opposite sex. Many of cases go unreported as most of the victims do not come forward to report the same. There is a drastic increase in sexual crime against children in last one year. Total of 33,000 cases of sexual crimes against children were reported in the country in 2011 as compared to 26,000 in 2010, it means an increase of 24%. Child sexual abuse cases are highest in Madhya Pradesh (1.26%), followed by Uttar Pradesh (1.08%) and Maharashtra (0.8%) in 2011.

In this CME the role of parents and School Teachers was also highlighted that they needed to know more and how to sensitize the school going children. Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012 came into force on October 14, 2012. On February 22, 2013 a Circular was issued by School Education Department, under section 21 of Protection Children from Sexual Offences Act, 2012, it is mandatory for the Teachers and School Management too reported child sexual abuse to local or Juvenile Police, otherwise there is six months imprisonment, fine or both.

They also informed the gathering about Justice Verma Committee submitted its report on January 23, 2013 and suggested drastic changes in the Law and the punishment for rape should be rigorous imprisonment of 7 years to life imprisonment. Protocol for examination of rape victims for sexual have been suggested.

It may be mentioned that Department of Psychiatry received grant from Indian Council of Medical Research, New Delhi, to work on "Prevalence determines awareness about child sexual ab dren of rural Wardha Distri attended by th

मॉर्निंग वर्धा
लोकशाही वार्ता
गुरुवार, ५ फेब्रुवारी २०१५

आयोजन

जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज व विद्यापीठाचे संयुक्त आयोजन

हिंदी विद्यापीठात बाल लैंगिक शोषणावर निरंतर आरोग्य शिक्षण कार्यशाळा

■ प्रतिनिधी/वर्धा

दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान डिम्ड विद्यापीठातील जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेजचा मनोदोष चिकित्सा विभाग आणि महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने हबीब तनवीर सभागृहात २९ जानेवारी रोजी निरंतर आरोग्य शिक्षणांतर्गत बाल लैंगिक शोषणावर कार्यशाळा आयोजित करण्यात आली.

कार्यशाळेत जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेजचे मनोदोष चिकित्सा विभागाचे अध्यक्ष व अनुसंधान तथा विकास विभागाचे निदेशक डॉ. प्रकाश बी. बेहरे, इंडियन साईकेट्रिक सोसायटीचे डॉ. टी.बी.अशोकन, चेन्नई, डॉ. विद्याधर वाटवे, पुणे, डॉ. वी.प्रसाद राव, हैदराबाद, डॉ. जे. एस. एस. राव, संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री, मैसूर, डॉ. युसफ माचिसवाला, मुंबई, डॉ. जे.दास, आसाम, डॉ. के. के. मिश्रा, सेवाग्राम, डॉ. सुशील गावंडे, एनकेपी साळवे मेडिकल कॉलेज, नागपूर, वर्धा पोलिस विभागातील प्रतिभा गजभिये यांनी मार्गदर्शन केले.

कार्यशाळेचे मुख्य आयोजक डॉ. प्रकाश बेहरे म्हणाले की, निरंतर आरोग्य शिक्षणा अंतर्गत वर्धेत अशा प्रकारची पहिली प्रयोग शाळा घेण्यात येत आहे. ते म्हणाले की, भारतात बाल लैंगिक शोषणाच्या घटनांमध्ये वाढ होत आहे. अंदाजे ७० टके घटना कुटुंबातील सदस्य आणि नातेवाईकांकडून होत असतात. भारतात प्रत्येक पाचवे मुल लैंगिक शोषणाचे बळी ठरते असेही ते म्हणाले.

बालकांचे लैंगिक शोषण थांबविण्यासाठी पालक आणि शाळांमधील शिक्षकांमध्ये पोषक वातावरणाची गरज असून त्याविषयी मोठ्या प्रमाणात जनजागृतीची आवश्यकता आहे असे मत वक्त्यांनी मांडले. बाल लैंगिक शोषणाविषयक कायद्यांची काटेकोर अंमलबजावणी केली तर अशा घटनांना आळा बसेल असाही सूर वक्त्यांनी केला. कार्यशाळेत वर्धा जिल्ह्यातील विविध महाविद्यालयांमधील प्राचार्य आणि विद्यार्थी सहभागी झाले होते. कार्यशाळेच्या यशस्वीतेसाठी डॉ. प्रमोद जोशी, जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे, सहायक कुलसचिव ज्योतिष पार्येग, हिमांशु नारायण, प्रगती, हेमा, सौरभ तथा जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेजच्या विद्यार्थ्यांनी प्रयत्न केले. ■

मॉर्निंग वर्धा

लोकशाही वार्ता

रविवार, ८ फेब्रुवारी २०१५

डॉ. मिलिंद पाटील यांना 'फेलोशीप'

प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील अनुवाद व निर्वचन विद्यापीठांतर्गत अनुवाद प्रौद्योगिकी विभागाचे माजी पीएच.डी. शोधकर्ता डॉ. मिलिंद पाटील यांना संगणकीय भाषा विज्ञान विषया अंतर्गत 'मशिनी अनुवाद के लिए मशिन वाचक कोष' या शोध-विषयाकरिता विद्यापीठ अनुदान आयोग, यूजीसीची वर्ष २०१४-१५ करिता पोस्ट डॉक्टरल फेलोशीप अवार्ड झाली आहे.

संपूर्ण भारतातून अनुसूचित जाती आणि अनुसूचित जमातींमधल एकूण शोधकर्त्यांना ही फेलाशीप देण्यात येते. विशेष म्हणजे महाराष्ट्रातून अशी फेलोशीप प्राप्त करणाऱ्या अनुसूचित जातीच्या केवळ दोन शोधकर्त्यांमध्ये डॉ. पाटील यांचा समावेश झाला आहे.

याबद्दल त्यांचे कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र, अनुवाद व निर्वचन विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रकुलगुरू प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव संजय गवई, अनुवाद प्रौद्योगिकी विभागाचे बिभागाध्यक्ष प्रो. देवराज, डॉ. सी. अन्नपूर्णा, शोध निर्देशक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे, डॉ. रामप्रकाश यादव, डॉ. हरप्रीत कौर, गोपाल राम, तथा अध्यापक तथा विद्यार्थ्यांनी त्यांचे अभिनंदन केले आहे.

गुड मॉर्निंग यवतमाळ
लोकशाही वार्ता
रविवार, १ फेब्रुवारी २०१५

'रासेयो'तर्फे मानव श्रृखंला

गांधी पुण्यतिथीनिमित्त स्वच्छता, श्रमदान अभियान

प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या वतीने महात्मा गांधी यांच्या पुण्यतिथी निमित्त सकाळी बापुकुटी सेवाग्राम आश्रम येथे मानव श्रृंखला रॅली काढण्यात आली.

रॅलीत विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, रा.से.यो. संयोजक डॉ. अनवर सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी बी.एस.मिरगे, प्रा. पद्माकर बाविस्कर, स्वयंसेवक कुलदीप कुमार पांडे, मेहराज अली, अहमद खान, पन्नालाल धुर्वे, अभिजित, शावेज खान, रहिसुद्दीन, डुडबे, आशीष, रोजी, आशु, अश्वीन श्रीवास, गो. से. वाणिज्य महाविद्यालयाची रासेयो स्वयंसेवक आशना सिद्दीकी यांनी सहभाग घेतला.

यावेळी सुप्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौडवाल यांनी 'मानस श्रृंखला रॅली'चे कौतुक केले. विद्यापीठाच्या रासेयो स्वयंसेवकांनी वर्धा जिल्हा स्वच्छता अभियाना सहभागी होऊन स्वच्छता संकल्प घेतला. गांधी पुण्यतिथीच्या निमित्ताने राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विद्यार्थ्यांनी दुपारी उत्तरी परिसरात निर्माणधीन केंद्रीय विद्यालयाच्या परिसरात स्वच्छता आणि श्रमदान अभियान चालविले.

यात अहमद खान, कुलदीप पांडे, रहिसद्दीन खान, गौरव वर्मा, मेहराज अली, देविंदर सिंह, जुगल किशोर चौधरी, पन्नालाल धुर्वे, सुरेश डुडवे, राजेंद्र यादव, पुष्पेंद्र कुमार बोबोडे, शावेज खान, दिलीप कुमार, रोहित शर्मा, ब्रजेश कुमार, अश्विन श्रीवास यांनी सहभाग घेतला. कार्यकारी कुलसचिव व वित्ताधिकारी संजय गवई, संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी आणि कार्यक्रमाचे अधिकारी बी. एस. मिरगे यांनी श्रमाचे महत्त्व मांडले.

नवभारत

4 फरवरी, 2015

रासेयो ने निकाली मानव श्रृंखला रैली

अनुराधा पौडवाल ने पेश किए भजन

वर्धा (का). महात्मा गांधी अंतराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से गांधी पुण्यतिथि अवसर पर बापू कूटी सेवाग्राम आश्रम स्थित मानव श्रृंखला रैली का आयोजन किया गया. तत्पश्चात आयोजित कार्यक्रम में गायिका अनुराधा पौडवाल ने गांधीजी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति की.

स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

गांधी आश्रम स्थित आयोजन में वर्धा जिला स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर सांसद रामदास तडस, विधायक डा.पंकज भोयर, विधायक समीर कुणावार, पूर्व विधायक दादाराव केचे, मिलिंद भेंडे, जिलाधिकारी एन.नवीन सोना, पुलिस अधीक्षक अनिल पारस्कर, जिप के सीईओ मीणा, पुलिस उपअधीक्षक आर.जी.किल्लेकर, थाना इंचार्ज एम.पी.बुराडे, यातायात पुलिस निरीक्षक विलास काले, लॉयन्स क्लब अनिल नरेडी, अख्तर कुरेशी, निसर्ग सेवा समिति के मुरलीधर बेलखोडे, सेवाग्राम आश्रम सचिव डा.श्रीराम जाधव, जिला सूचनाधिकारी अनिल गडेकर, शाम टरके, राहुल तेलरांधे, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के नरेंद्र दंढारे, महारोगी सेवा संस्था के चंद्रशेखर दंढारे सहित विविध सामाजिक,शैक्षणिक एंव सांस्कृतिक संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

मंगलवार, 3 फरवरी 2015

प्रतिदिन अखबार

हिन्दी विवि में परिचर्चा

प्रिंट मीडिया में आज भी पत्रकारिता के मूल गुण

प्रतिनिधि, 2 फरवरी

वर्धा - इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भले ही त्वरित गति से जनता के बीच संदेश पहुंचाकर अपना प्रभाव बना लेती है, लेकिन प्रिंट मीडिया में आज भी पत्रकारिता के मूल गुण विद्यमान हैं. उक्त बातें बहुवचन के संपादक श्री अशोक मिश्र ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने मनोदगार व्यक्त करते हुए संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के विभागीय पुस्तकालय एवं वाचनालय सभागार में कही. मौका था भारत के पहले मुद्रित अखबार हिकी गजट के स्मरण दिवस का. आज से लगभग 235 वर्ष पहले 29 जनवरी, सन 1780 को हिकी गजट का प्रकाशन हुआ था. परिचर्चा का विषय था हिकी गजट : भारत में मुद्रित पत्रकारिता का उदय. श्री मिश्र ने कहा कि जेम्स आगस्टस हिकी ने समाज को अभिव्यक्ति के एक मंच को उपलब्ध कराने की पहल की.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. डॉ. अनिल कुमार राय ने मुद्रित माध्यमों की स्वतंत्रता प्राप्ति में योगदान पर जानकारी देकर वर्तमान पत्रकारिता के बारे में कहा कि पत्रकारिता के स्वरूपों में दिनबदिन परिवर्तन हो रहा है. निरंतर होते ह्रास के बावजूद आज भी कुछ लोग पत्रकारिता के माध्यम से समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का वहन कर रहे हैं. कार्यक्रम का संचालन कर रहे केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. अख्तर आलम ने हिकी गजट के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराते हुए कहा कि इस अखबार में एक संपादक के नाम पत्र की शुरुआत से समाज की पत्रकारिता की शुरुआत हो गई थी. हिकी ने अखबार के माध्यम से लोगों में एक संदेश का सम्प्रेषण किया कि यह माध्यम बहुत ही प्रबल है. कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन केंद्र के पीएच. डी. शोधार्थी रामशंकर ने किया. इस अवसर पर केंद्र के सभी शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी मौजूद थे.

मंगलवार, 3 फरवरी 2015
प्रतिदिन 21 वाँ वर्ष अखबार

गांधी हमारे लिए प्रतीक हैं

हिंदी विवि में शहादत दिवस

वर्धा : मगांहिंविवि में पी. के. चटर्जी शहादत दिवस पर व्याख्यान देते हुए.

प्रतिनिधि, 2 फरवरी

वर्धा - महात्मा गांधी अंतरराश्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग द्वारा गांधी की शहादत दिवस पर श्रध्दांजलि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा विभाग के पूर्व सदस्य डॉ. पी. के. चटर्जी ने कहा कि गांधी एक प्रतीक है, चाहे वह हिम्मत की बात हो, राजनीति, चरित्र, पवित्रता, नेतृत्व या फिर नवाचार की. गांधी किसी सिद्धांत के वशीभूत नहीं थे. वह समयानुकूल निर्णय लेकर परिस्थितियों को अपने अनुकूल कर लेते थे. गांधी की प्रासंगिकता वैश्वीकरण के साथ और भी ज्यादा बढ़ गई है. महान कवि, लेखक, पत्रकार व रष्ट्रभक्त रामवृक्ष बेनीपुरी ने कहा था, झोपड़ी या महल, अमीर-गरीब, गली से राजपथ तक असहयोग आंदोलन का प्रभाव गांधी के कारण ही था. गांधी ने बिना किसी हथियार के अंग्रेजी हुकूमत को वापस जाने पर मजबूर कर दिया और भारत को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करा दिया. गांधी जी चाहते थे कि समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास हो और स्त्री पुरुष के साथ-साथ सभी वर्ग समानता के साथ जीवनयापन कर सकें. अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने कहा कि गांधी इस सहस्त्र के सर्वश्रेष्ठ मानव थे, वे निजी विचारों का प्रचार करने की अपेक्षा आचरण पर ध्यान देते थे. गांधी सशरीर भले ही हमारे बीच विद्यमान न हों लेकिन उनके कथन और कार्य हमेशा हमें प्रेरणा देते रहेंगे. कार्यक्रम में 2 मिनट का मौन रखकर गांधी जी को विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने श्रध्दांजलि दी.

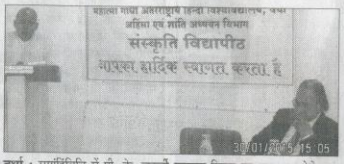

कार्यक्रम में संदीप सपकाले, पंकज सिंह, पद्माकर बाविस्कर, ने भी अपने विचार रखे. कार्यक्रम का संचालन डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने व धन्यवाद ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर अनिर्वाण घोश ने किया. कार्यक्रम में डॉ.डी. एन. प्रसाद, डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. चित्रा माली, शिव गोपाल, अनुपमा, नेहा नेमा, मनोज सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

मंगलवार, 3 फरवरी 2015

प्रतिदिन 21 वाँ वर्ष अखबार

वर्धा जिले के सरपंचों से की चर्चा

हिंदी विवि ग्राम विकास से जुड़ने को उत्सुक

प्रतिनिधि, 2 फरवरी

वर्धा - महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में नवाचार क्लब एवं नेशनल इनोवेशन फाऊंडेशन के तत्वावधान में वर्धा जिले के सरपंचों की बैठक आयोजित की गई. कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि विश्व विद्यालय की अनेक योजनाएं है जो गांव के विकास के लिए कारगर दिशा प्रदान कर सकती है. उन्होंने सरपंचों से कहा कि हम चाहते है कि वर्धा के ग्रामीण समाज हमने जुड़े और हम भी उनके विकास कार्यों में सहयोग कर सकें.

कार्यक्रम के दौरान यथा समुदाय के प्रतिनिधियों ने बैठक में अपनी समस्याएं प्रस्तुत की. ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र के डॉ.सोहम पांड्या ने गांवों में कम लागत पर शौचालय, रास्ते आदि बनाने के लिए केंद्र की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी. प्रो.मनोज कुमार ने कहा कि गांवों को समाजकार्य विभाग की ओर से गोद लेकर विकास की योजनाएं लागू की जा सकती हैं.

कार्यक्रम में महात्मा गांधी फूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष प्रो.कुमार, अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष एन.पी. मोदी, ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र के डॉ.पंड्या सहित अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी और विश्व विद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख सदस्य उपस्थित थे.

प्रतिदिन 3रा दशक अखबार
अमरावती, रविवार, 8 फरवरी 2015

हिंदी विवि में जैव विविधता एवं पर्यावरणीय चर्चा

वर्धा : *हिंदी विवि में जैव विविधता पर चर्चा करते मान्यवर.*

प्रतिनिधि, 7 फरवरी

वर्धा - पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता एवं चेतना संबंधित निजी जानकारी तथा अनुभवों द्वारा विषय पर गम्भीरता पूर्ण व्याख्यान दिए. नागपुर विश्वविद्यालय के भूतपूर्व प्रोफेसर एवं डॉ. रमेश आचार्य वर्धा जिला की जैवविविधता एवं पर्यावरण संरक्षण में यहां पर पाए जाने वाले विलुप्त प्रायः जीव जन्तु एवं वृक्षों से संबंधित एक नवीन ज्ञान से इनके संरक्षण के प्रति अवलोकन कराए तथा ऐसी परिस्थितियों से भी परिचित कराया जो इनके लिए अनुकूल हों. शिक्षा मंडल के अधिष्ठाता प्रो. अतुल शर्मा अपने चर्चा में जल संरक्षण के प्रति एक नवीन विधा की खोज से संबंधित जो व्याख्यान प्रस्तुत किए वो निश्चित ही वर्तमान समय में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच है. स्वयंसेवी वाईल्ड लाईफ वार्डेन कौशल मिश्र अपने वक्तव्य में वर्धा जिला के आस-पास के वनों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी तथा वन संरक्षण संबंधित विचार व्यक्त किए. इस अवसर पर वर्धा जिलावनविभाग की उप वन संरक्षक मुकेश गणात्रा महोदय ने संबंधित विषय पर मुख्य वक्तव्य दिए. इसके पश्चात नागपुर विश्वविद्यालय केभूतपूर्व प्रोफेसर एवं डॉ. रमेश आचार्य, वर्धा वाईल्ड लाईफ वार्डेन कौशल मिश्र एवं शिक्षा मंडल के अधिष्ठाता प्रो. अतुल शर्मा ने भी निजी वक्तव्य दिए. पर्यावरण क्लब के समन्वयक अनिर्वाण घोष बैठक में विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण संबंधित जानकारी दिए. अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्ष प्रार्थना से सन्देश दिया.

बैठक में जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, सहायक संपादक डॉ. अमित विश्वास, अनुपमा पाण्डेय, अनुपमा कुमारी, प्रकाश उपरेती, कांचन बोस, हसन तब्स्सुम, रविशंकर लाल सहित उचित संख्या में विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे.

सोमवार, 2 फरवरी 2015

प्रतिदिन 21 वाँ वर्ष अखबार

राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से मानव श्रृंखला रैली का आयोजन

प्रतिनिधि, 1 फरवरी

वर्धा-महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से गांधी पुण्यतिथि के अवसर पर बापूकुटी सेवाग्राम आश्रम स्थित मानव श्रृंखला रैली का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य प्रयोजन मानव बनने की ओर एक कदम... था. रैली में विश्वविद्यालय के रासेयो के स्वयंसेवक छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में सहभागी हुए. रैली में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, रासेयो संयोजक डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे, प्रा. पद्माकर बाविस्कर, स्वयंसेवक कुलदीप कुमार पांडे, मेहराज अली, अहमद खान, पन्नालाल धुर्वे, अभिजीत, शावेज़ खान, रहिसुद्दीन, डुरबे,आशीष, रोज़ी, आशु, अश्वीन श्रीवास, गो.से. वाणिज्य महाविद्यालय की रासेयो स्वयंसेवक आशना सिद्दीकी आदि ने सहभागिता की. इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौड़वाल ने मानव श्रृंखला रैली में शामिल होकर अमन मानव मिशन के संकल्प मानव बनने की ओर एक कदम... की प्रशंसा की. कार्यक्रम में गायिका अनुराधा पौड़वाल ने गांधी जी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति की. आयोजन के दौरान गांधी जी मौन आदरांजलि प्रदान की गई.

वर्धा:मानव श्रृंखला रैली का शुभारंभ करते प्रो. अनिलकुमार राय व अन्य.

गांधी आश्रम स्थित आयोजन में वर्धा जिला स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया गया जिसमें सांसद रामदास तडस, विधायक डॉ. पंकज भोयर, विधायक समीर कुणावार, पूर्व विधायक दादाराव केचे, मिलिंद भेंडे, जिलाधिकारी एन. नवीन सोना, जिला पुलिस अधीक्षक, अनिल पारस्कर, जिला परिषद के सीईओ मीणा, पुलिस उप अधीक्षक आर. जी. किल्लेकर, थाना इंचार्ज एम. पी. बुराडे, यातायात पुलिस निरीक्षक विलास काले, लॉयन्स क्लब गांधी सिटी के अनिल नरेड़ी, अख्तर कुरेशी, निसर्ग सेवा समिति के मुरलीधर बेलखोडे, सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान के सेक्रेटरी डॉ. श्रीराम जाधव, जिला सूचना अधिकारी अनिल गडेकर, शाम टरके, छाया चित्रकार राहुल तेलरांधे, अंगेश दिल्लीवार, चंदु नेवारे, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के नरेंद्र दंढारे, जिला होमगार्ड के चंद्रकांत हिवरे, महारोगी सेवा संस्था ने चंद्रशेखर दंढारे सहित वर्धा के विविध सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

विश्वविद्यालय के रासेयो स्वयंसेवकों ने वर्धा जिला स्वच्छता अभियान में शामिल होकर विश्वविद्यालय परिसर की स्वच्छता का संकल्प लिया.

सकाळ
मंगळवार,
३ फेब्रुवारी २०१५

डॉ. एच. ए. हुनगुंद मलेशियात रवाना

वर्धा, ता. २ :
गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील भाषा प्रौद्योगिकी विभागातील सहाय्यक प्रा. डॉ. एच. ए. हुनगुंद मलेशियातील केबांगसन विद्यापीठात भाषा शिक्षणावर आयोजित ४ आणि ५ फेब्रुवारीला दोन दिवसीय आंतरराष्ट्रीय चर्चासत्रात सहभागी होण्यासाठी रवाना झाले आहेत. ते 'भारतात द्वितीय भाषेत शिक्षण आणि अध्यापनाची समस्या आणि त्यावर उपाय' या विषयावर शोधपत्र सादर करणार आहेत.

सकाळ
मंगळवार, ३ फेब्रुवारी २०१५

महात्मा गांधी भारतीय अस्मितेचे प्रतीक

डॉ. चटर्जी : हिंदी विश्वविद्यालयात श्रद्धांजली

सकाळ वृत्तसेवा

वर्धा, ता. २ : राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजींनी देशाकरिता प्राणाचे बलिदान दिले. त्यांच्या विचारातूनच भारताची प्रगती शक्य असून ते अस्मितेचे प्रतिक आहेत, असे मत पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षण विभागाचे माजी सदस्य डॉ. पी. के. चटर्जी यांनी व्यक्त केले. महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात आयोजित केलेल्या स्मृती कार्यक्रमात ते प्रमुख पाहुणे बोलत होते.

यावेळी अहिंसा आणि शांती अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष नृपेंद्र प्रसाद मोदी, प्रा. संदीप सपकाळे, प्रा. अनिर्वाण घोष, डॉ. डी. एन. प्रसाद, डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. चित्रा माली, शिव गोपाल,

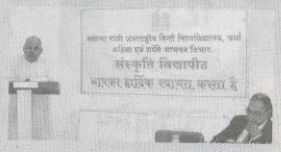

वर्धा : मार्गदर्शन करताना डॉ. चटर्जी; उपस्थित डॉ. मोदी.

अनूपमा, नेहा नेमा, मनोज उपस्थित होते. डॉ. चटर्जी म्हणाले, गांधीविचार हा कधीही संपणारा नाही. त्यांच्या विचारातूनच प्रगतीच्या दिशा प्राप्त होतात. त्यामूळे युवापिढीने हा विचार आत्मसात केला पाहिजे. कार्यक्रमाला विविध अभ्यासशाखांचे विद्यार्थी उपस्थित होते.

सकाळ
५ फेब्रुवारी २०१५

सरपंचांनी साधला हिंदी विश्वविद्यालयात संवाद

इनोव्हेशन फाउंडेशनचे आयोजन : विकासकामांवर चर्चा

सकाळ वृत्तसेवा

वर्धा, ता. ४ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात नवाचार क्लब आणि नॅशनल इनोव्हेशन फाउंडेशनतर्फे वर्धा तसेच परिसरातील सरपंचांची बैठक सोमवारी (ता. दोन) नागार्जुन सराय अतिथी सभागृहात घेण्यात आली.

कुलगुरु प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांच्या अध्यक्षतेखाली घेण्यात आलेल्या बैठकीला प्रा. मनोज कुमार, अहिंसा व शांती अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र दत्तपूरचे कार्यकारी संचालक डॉ. सोहम पंड्या, स्कूल ऑफ स्कॉलर्सच्या प्राचार्य समिता कार, प्रा. रवीकुमार, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस.मिरगे, पवनारचे सरपंच राजेश्वर गांडोळे, आंजीचे जगदिश संचारीया, वायगांवचे सरपंच गणेश वांदाडे, प्रमोद झाडे, करंजी काजीचे सरपंच पद्माकर शंभरकर, इंझापूरचे पाणी पुरवठा समिती अध्यक्ष दीपक तपासे, बोरगाव मेघेचे पंकज वादव, पेठचे उपसरपंच जगदीश मस्के, बोरगाव सावलीचे उपसरपंच महेश मोरे, दहेगाव स्टेशनच्या सरपंचा अर्चना कंगाले, उपसरपंच ए. व्ही. कंगाले, सालोडच्या सरपंच गीता झाडे, चिकणी जामनीचे मारोती कांबळे, सिंदी मेघेच्या सरपंच सुषमा येसनकर, ग्राम विकास अधिकारी सुधाकर आसुटकर, पवनुरचे सरपंच रमेश कारनकर, अर्चना वानखेडे, अंजली चौधरी, जयश्री चौधरी, रामनगरच्या मंदा वानखेडे, संचार आणि मीडिया अध्ययन केंद्राची विद्यार्थी अनुपमा कुमारी उपस्थित होते. यावेळी प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांनी विद्यापीठाच्या विविध लोकाभिमुख उपक्रमांची माहिती देताना म्हणाले, वर्धा आणि परिसरातील समाजाशी सुसंवाद वाढण्याकरिता आम्ही पुढाकार घेतला असून यापुढे मोठ्या स्तरावर आम्ही विकासाच्या दिशेने काम करणार आहोत.

बैठकीत सरपंच आणि लोकप्रतिनिधींनी गावाच्या विकासविषयक समस्या मांडल्या. विद्यापीठाच्या कार्याची प्रशंसा करून त्यांनी सहकार्य करण्याचे आश्वासन दिले. गावाच्या सर्वांगिण विकासासाठी अनेक सूचना सरपंच, उपसरपंच आणि ग्रामसेवकांनी केल्या. ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्राचे डॉ. सोहम पंड्या यांनी गावामध्ये कमी खर्चातील शौचालये, रस्ते आणि विकास विषयक इतर योजनांची माहिती सांगितली. प्रा. मनोज कुमार यांनी जिल्ह्यातील काही गावे दत्तक घेणार आहोत, अशी माहिती उपस्थितांना दिली.

वर्धा : बैठकीला विविध ग्रामपंचायतींचे सरपंच आणि विद्यालयातील प्राध्यापक.

सकाळ
५ फेब्रुवारी २०१५

'बालकांच्या लैंगिक शोषणाविरुद्ध जागृती करा'

वर्धा, ता. ४ : भारतातील प्रत्येक पाचवे मुल लैंगिक शोषणाचे बळी ठरते. त्यामुळे बालकांचे लैंगिक शोषण थांबविण्यासाठी पालक आणि शिक्षकांनी त्याविरुद्ध जागृती करणे आवश्यक आहे, असे मत मुख्य आयोजक डॉ. प्रकाश बेहरे यांनी व्यक्त केले. दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विद्यापीठाच्या जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज मनोदोष चिकित्सा विभाग आणि महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ यांच्या संयुक्त विद्यमाने हबीब तनवीर सभागृहात घेण्यात आलेल्या बाल लैंगिक शोषण या विषयावरील कार्यशाळेत ते बोलत होते.

यावेळी इंडियन साइकेट्रिक सोसायटीचे डॉ. टी. वी. अशोकन, डॉ. विद्याधर वाटवे, डॉ. प्रसाद राव, डॉ. जे. एस. राव, डॉ. युसूफ माचिसवाला, डॉ. जे. दास आसाम, डॉ. के. के. मिश्रा, डॉ. सुशील गावंडे, प्रतिभा गजभिये उपस्थित होते. डॉ. प्रकाश बेहरे पुढे म्हणाले, निरंतर आरोग्य शिक्षणाअंतर्गत वर्धेत अशा प्रकारची पहिली कार्यशाळा घेण्यात येत आहे. भारतात बाल लैंगिक शोषणाच्या घटनांमध्ये सतत वाढ होत असून अंदाजे सत्तर टक्के घटना कुटुंबातील सदस्य आणि नातेवाईकांकडूनच असे अत्याचार घडतात. बाल लैंगिक शोषणविषयक कायद्यांची काटेकोर अंमलबजावणी केली तर अशा घटनांना आळा बसेल असा सूर वक्त्यांनी व्यक्त केला. बालकांच्या शोषणाविरुद्ध कठोर उपाययोजना करावी.

दैनिक भास्कर
बुधवार, 4 फरवरी 2015

हिंदी विवि के डा.एच.ए. हुनगुंद मलेशिया रवाना

ब्युरो| वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के भाषा विद्यापीठ के भाषा प्रौद्योगिक विभाग में सहायक प्रोफेसर डा. एच. ए. हुनगुंद मलेशिया के केबांगसन विवि में भाषा शिक्षण पर 4 एंव 5 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सा लेने एवं शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए रवाना हो गए। वे भारत में द्वितीय भाषा में शिक्षण एवं अध्यापन की समस्याएं और उसका समाधान विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। उन्हें विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एंव गैर-शैक्षणिक कर्मियों ने शुभकामनाएं दी है।

लोकशाही वार्ता
बुधवार, ४ फेब्रुवारी २०१५

डॉ. हुनगुंद मलेशीया रवाना

प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील भाषा प्रौद्योगिकी विभागातील सहायक प्रोफेसर डॉ. एच. ए. हुनगुंद मलेशीयातील केबांगसन विद्यापीठात भाषा शिक्षणावर ४ अणि ५ फेब्रुवारी रोजी आयोजित दोन दिवसीय आंतरराष्ट्रीय चर्चासत्रात सहभागी होण्यासाठी रवाना झाले आहेत. ते 'भारतात द्वितीय भाषेत शिक्षण आणि अध्यापनाची समस्या आणि त्यावर उपाय' या विषयावर शोधपत्र सादर करतील. त्यांना विद्यापीठातील समस्य शैक्षणिक आणि गैर-शैक्षणिक कर्मचाऱ्यांनी शुभेच्छा दिल्या आहेत.

बुधवार, 4 फरवरी 2015

लोकमत समाचार

परिजनों के हाथों ही बच्चों का शोषण

वर्धा में आयोजित कार्यशाला में वक्ताओं का कथन

वर्धा। 3 फरवरी (लोस)

दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान डिम्ड विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज का मनोरोग चिकित्सा विभाग एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागार में निरंतर स्वास्थ्य शिक्षा के अंतर्गत बाल लैंगिक शोषण पर एक कार्यशाला आयोजित की गई.

एक दिवसीय आयोजन में मनोरोग चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष तथा अनुसंधान एवं विकास के निदेशक डॉ. प्रकाश बी. बेहरे, इंडियन साइकेट्रिक सोसायटी के डॉ. टी.वी. अशोकन, चेन्नई, डॉ. विद्याधर वाटवे, पुणे, डॉ. वी प्रसाद राव, हैदराबाद, डॉ. जे. एस. एस. राव, डॉ. युसूफ माचिसवाला, मुंबई, डॉ. जे. दास, आसाम, डॉ. के. के. मिश्रा, सेवाग्राम, डॉ. सुशील गावंडे, एनकेपी सालवे मेडिकल कॉलेज, नागपुर, वर्धा पुलिस विभाग की प्रतिभा गजभिये ने मार्गदर्शन किया.

कार्यशाला के मुख्य आयोजक डॉ. प्रकाश बेहरे ने बताया कि निरंतर स्वास्थ्य शिक्षा के अंतर्गत वर्धा में पहली बार इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन किया गया.

उन्होंने कहा कि भारत के विभिन्न स्थानों के निरीक्षण से पता चलता है कि बाल लैंगिक शोषण की घटनाएं हो रही हैं और इन घटनाओं में से करीब 70 प्रतिशत परिवार के सदस्यों तथा रिश्तेदारों के द्वारा होती हैं. कहा जाए तो भारत में हर पांचवा बच्चा लैंगिक शोषण का शिकार होता है और विगत वर्ष में इस प्रकार के अपराधों में काफी बढ़ोतरी हुई है.

कार्यशाला में बच्चों को उनके लैंगिक शिक्षा के बारे में अभिभावक और स्कूल के शिक्षकों की द्वारा किस प्रकार के वातावरण की आवश्यकता है, इस बात पर चर्चा की गई. विद्वान वक्ताओं ने कहा कि यह विषय अत्यंत संवेदनशील है और बाल लैंगिक शोषण के लिए बने कानूनों को अमल में लाने की दिशा में प्रभावी रूप से जागरूकता की आवश्यकता है.

आयोजन को सफल बनाने के लिए डॉ. प्रमोद जोशी, वी. मिरगे, हिमांशु सहित अन्य छात्रों ने सहयोग दिया.

बुधवार, 4 फरवरी 2015

लोकमत समाचार

सरपंचों के साथ कुलपति ने की चर्चा

गांवों के विकास में सहयोग देने पर हिंदी विश्वविद्यालय का आश्वासन

यवतमाल। 3 फरवरी (लोस)

हिंदी विश्वविद्यालय में नवाचार क्लब एवं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के तत्वावधान में वर्धा एवं आसपास के ग्रामपंचायतों के सरपंचों की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय के नागार्जुन सराय में किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की. कार्यक्रम में महात्मा गांधी पंचूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र के निदेशक विरष्ठ प्रोफेसर प्रो. मनोज कुमार, अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी,ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र, दत्तपुर के कार्यकारी संचालक डॉ. सोहम पंडया, भाषा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर रवि कुमार, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, पवनार के सरपंच राजेश्वर गांडोले, आंजी के जगदिश संचिरया, वायगांव के सरपंच गणेश वांदाडे, प्रमोद झाडे, करंजी काजी के सरपंच पद्माकर शंभरकर, इंझापुर के जल आपूर्ति समिति के अध्यक्ष दीपक तपासे, बोरगांव मेघे पंकज यादव, उपसरपंच जगदीश मस्के, बोरगांव सावली के उप सरपंच महेश मोरे, दहेगांव स्टेशन की सरपंच अर्चना कंगाले, उपसरपंच ए. व्ही. कंगाले, सालोड की सरपंच गीता झाडे उपस्थित थीं. इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय की अनेक योजनाएं है जो गावों के विकास के लिए कारगर दिशा प्रदान कर सकती हैं। हम चाहते है कि वर्धा के आसपास के समाज हमसे जुड़ा रहे और हम भी उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध हो सके. उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में व्यापक तौर पर लोगों को जोड़ने का अभियान जारी रखेंगे.

शुक्रवार, 6 फरवरी 2015

लोकमत समाचार

निजी क्षेत्र में बढ़ रहा मीडिया का हस्तक्षेप

आनंद प्रकाश ने कहा

मीडिया और मनोविज्ञान के अंतरसंबंध पर चर्चा

पुलगांव। 5 फरवरी (लोस)

मीडिया के संबंध में आयोजित परिचर्चा में शामिल आनंद जोशी, अनिल अंकित राय एवं अन्य.

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व्यक्ति के मनोविज्ञान को उभारता है. टेलीविजन के प्रभाव में लोगों की जरूरतें बढ़ती चली जा रही हैं. यथार्थ तक लोग आज विज्ञापन के माध्यम से पहुंचना चाहते हैं. मीडिया, विज्ञापन एवं अन्य माध्यमों द्वारा सामाजिक यथार्थ की मध्यस्थता कर रहा है. ये विचार दिल्ली विश्व विद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. डॉ. आनंद प्रकाश ने व्यक्त किए. वे संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे. प्रो. प्रकाश ने कहा कि आज के दौर के मीडिया ने व्यक्ति के मनोविज्ञान में बदलाव लाने का काम किया है. मनोविज्ञान मनुष्य में पूछने की प्रकृति का विकास करता है, जबकि मीडिया इससे इतर बताने पर जोर देता है. एक तरफ जहां मनोविज्ञान हमें पूछने की दिशा में प्रेरित करता है, वहीं दूसरी तरफ मीडिया का दारोमदार बताने पर टिका होता है.

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. डॉ. अनिल कुमार राय 'अंकित' ने कहा कि वर्तमान में मीडिया शब्द आते ही सबसे पहले जो छवि मानस पटल पर उभरती है, वह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की होती है. आज मीडिया के अन्य माध्यमों की गिनती इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बाद होती है, जबकि सभी मीडिया के सभी माध्यमों का समाज में अपना विशिष्ट योगदान होता है. परिचर्चा में प्रो. अरविंद कुमार झा, डॉ. कृपाशंकर चौबे, डॉ. अख्तर आलम, डॉ. राकेश मिश्र, अनामी शरण सहित विभिन्न विषयों के शोधार्थी व विद्यार्थी शामिल हुए. इस अवसर पर अन्य विषयों पर चर्चा की गई.

लोकमत समाचार
अपना विदर्भ
पुर, शनिवार, 7 फरवरी 2015

पर्यावरण पर हिंदी विवि में बैठक

वर्धा। 6 फरवरी (लोस)

हिंदी विश्वविद्यालय में ''जैव विविधता एवं पर्यावरणीय परिवेश की महत्ता'' विषय पर बैठक आयोजित की गई.

गांधी हिल्स में विश्वविद्यालय के पर्यावरण क्लब द्वारा आयाजित बैठक में नागपुर विश्वविद्यालय पूर्व प्रोफेसर एवं डॉ. रमेश आचार्य ने जैवविविधता एवं पर्यावरण संरक्षण में पाए जानेवाले विलुप्त प्राय जीव जंतु एवं वृक्षों से संबंधित एक नवीन ज्ञान से सभी को रुबरू कराया. शिक्षा मंडल के अधिष्ठाता प्रो. अतुल शर्मा अपने चर्चा में जल संरक्षण के प्रति एक नवीन विधा की खोज से संबंधित जो व्याख्यान प्रस्तुत किए वो निश्चित ही वर्तमान समय में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच है. जिला वनविभाग के उपवन संरक्षक मुकेश गणात्रा ने भी पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में लोगों को समझाया. पर्यावरण क्लब के समन्वयक निर्बाण घोष ने पर्यावरण संरक्षण संबंधित जानकारी दी. बैठक में बी. एस. मिरगे, सहायक संपादक डॉ. अमित बिश्वास, अनुपमा पांडेय, अनुपमा कुमारी, प्रकाश उपरेती, रविशंकर लाल उपस्थित थे.

लोकमत समाचार
रविवार, 1 फरवरी 2015

आयोजन भारत के पहले मुद्रित अखबार हिकी गज़ट के स्मरण दिवस पर अशोक मिश्र का प्रतिपादन

प्रिंट मीडिया में पत्रकारिता के मूल गुण

धुलगांव । 31 जनवरी (लोस)

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भले ही त्वरित गति से जनता के बीच संदेश पहुंचाकर अपना प्रभाव बना लेती है लेकिन प्रिंट मीडिया में आज भी पत्रकारिता के मूल गुण विद्यमान हैं. इस आशय के विचार बहुवचन के संपादक अशोक मिश्र ने व्यक्त किए. वे संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के विभागीय पुस्तकालय एवं वाचनालय सभागार में आयोजित भारत के पहले मुद्रित अखबार हिकी गज़ट के स्मरण दिवस अवसर पर बोल रहे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. डॉ. अनिल कुमार राय की. मिश्र ने आगे बताया कि लगभग 235 वर्ष पहले 29 जनवरी, सन 1780 को हिकी गज़ट का प्रकाशन हुआ था. भारत में मुद्रित पत्रकारिता का उदय पर मिश्र ने कहा कि जेम्स आगस्टस हिकी ने समाज को अभिव्यक्ति के एक मंच को उपलब्ध कराने की पहल की. अनिल कुमार राय ने कहा कि पत्रकारिता के स्वरूपों में पल-पल परिवर्तन हो रहा है. निरंतर होते ह्रास के बावजूद आज भी कुछ लोग पत्रकारिता के माध्यम से समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का वहन कर रहा है. संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. अख्तर आलम ने किया.

कार्यक्रम में उपस्थित अनिल अंतिरा राय एवं अन्य अतिथि.

तरुण भारत
www.tarunbharat.net
आपलं वर्धा
गुरुवार, ५ फेब्रुवारी २०१५

हिंदी विद्यापीठात बाल लैंगिक शोषणावर कार्यशाळा

तभा वृत्तसेवा
वर्धा, ४ फेब्रुवारी

दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान विद्यापीठातील जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेजचा मनोदोष चिकित्सा विभाग आणि महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ यांच्या वतीने हिंदी विद्यापीठाच्या परिसरातील हबीब तन्वीर सभागृहात निरंतर आरोग्य शिक्षणांतर्गत बाल लैंगिक शोषणावर कार्यशाळा नुकतीच पार पडली.

कार्यशाळेत जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेजचे मनोदोष चिकित्सा विभागाचे अध्यक्ष व अनुसंधान, विकास विभागाचे निदेशक डॉ. प्रकाश बी. बेहरे, इंडियन साईकेट्रिक सोसायटीचे डॉ. टी.वी. अशोकन, डॉ. विद्याधर वाटवे, डॉ. राव, डॉ. जे.एस.एस. राव, डॉ. जे. दास, डॉ. के. के. मिश्रा, डॉ. सुशील गावंडे, एन. के. पी. साळवे, प्रतिभा गजभिये आदींची प्रमुख उपस्थिती होती.

मार्गदर्शन करताना डॉ. प्रकाश बेहरे

डॉ. प्रकाश बेहरे यांनी निरंतर आरोग्य शिक्षणांतर्गत वर्धेत अशा प्रकारची पहिली कार्यशाळा घेण्यात येत आहे.

भारतात बाल लैंगिक शोषणाच्या घटनांमध्ये वाढ होत आहे. अंदाजे ७० टक्के घटना कुटुंबातील सदस्य आणि नातेवाईकाकडून होत असतात. भारतात प्रत्येक पाचवे मूल लैंगिक शोषणाचे बळी ठरते, असे त्यांनी सांगितले.

बालकांचे लैंगिक शोषण थांबविण्यासाठी पालक आणि शाळांमधील शिक्षकांमध्ये पोषक वातावरणाची गरज असून त्याविषयी मोठ्या प्रमाणात जनजागृतीची आवश्यकता आहे. बाल लैंगिक शोषणविषयक कायद्यांची काटेकोर अंमलबजावणी केली तर अशा घटनांना आळा बसेल असे मत वक्त्यांनी यावेळी व्यक्त केले. कार्यशाळेत जिल्ह्यातील विविध महाविद्यालयांमधील प्राचार्य आणि विद्यार्थी सहभागी झाले होते.

यशस्वितेकरिता डॉ. प्रमोद जोशी, बी. एस. मिरगे, ज्योतिष पायेंग, हिमांशू नारायण यांच्यासह नेहरू वैद्यकीय महाविद्यालयाच्या विद्यार्थ्यांनी परिश्रम घेतले. ■